बाल-कविता

आओ ! चिड़ियों से हम सीखें,
अच्छी-अच्छी बात सुनाना ।
खिलती हुई कली से सीखें,
जीवन-भर हँसना-मुस्काना ।

सूरज की किरणों से सीखें,
अंधकार को दूर भगाना ।
नदिया रानी से हम सीखें,
आगे-आगे, बढ़ते जाना ।

सुंदर-सुंदर फूल से सीखें,
सारी दुनिया को महकाना ।
झूम रहे पत्तों से सीखें
खुशियों के परचम लहराना ।

चंदा-मामा से हम सीखें,
सबको शीतलता पहुँचाना ।
धरती माता से हम सीखें
सहनशीलता को अपनाना ।

घने-घने बादल से सीखें,
प्रीत-प्यार का जल बरसाना ।
ऊँचे पर्वत से हम सीखें,
स्वाभिमान से शीश उठाना ।